

सविलि सेवा ही क्यों ?

आखिर हम सविलि सेवक के रूप में अपना कैरियर क्यों चुनना चाहते हैं- क्या सरिफ देश सेवा के लिये? वो तो अन्य रूपों में भी की जा सकती है। या फरि सरिफ पैसों के लिये? लेकिन इससे अधिक वेतन तो अन्य नौकरियों एवं व्यवसायों में मलि सकता है। फरि ऐसी क्या वजह है कसविलि सेवा हमें इतना आकर्षति करती है? आइये, अब हम आपको सविलि सेवा की कुछ खूबियों से अवगत कराते हैं जो इसे आकर्षण का केंद्र बनाती हैं।

- यदहिम एक सविलि सेवक बनना चाहते हैं तो स्वाभाविक है कहिम ये भी जानें कएक सविलि सेवक बनकर हम क्या-क्या कर सकते हैं? इस परीक्षा को पास करके हम कनि-कनि पदों पर नयुक्त होते हैं? हमारे पास क्या अधिकार होंगे? हमें कनि चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा? इसमें हमारी भूमिका क्या और कतिनी परविरतनशील होगी इत्यादी।
- अगर शासन व्यवस्था के स्तर पर देखें तो कार्यपालिका के महत्त्वपूर्ण दायित्वों का नरिवहन सविलि सेवकों के माध्यम से ही होता है। वस्तुतः औपनविशिक काल से ही सविलि सेवा को इस्पाती ढाँचे के रूप में देखा जाता रहा है। हालाँकि, स्वतंत्रता प्राप्ति के लगभग 70 साल पूरे होने को हैं, तथापि इसकी महत्ता ज्यों की त्यों बनी हुई है, लेकिन इसमें कुछ संरचनात्मक बदलाव अवश्य आए हैं।
- पहले, जहाँ यह नरियंत्रक की भूमिका में थी, वहीं अब इसकी भूमिका कल्याणकारी राज्य के अभकिर्ता (Procurator) के रूप में तब्दील हो गई है, जिसके मूल में देश और व्यक्ता का विकास नहिति है।
- आज सविलि सेवकों के पास कार्य करने की व्यापक शक्तियाँ हैं, जिस कारण कई बार उनकी आलोचना भी की जाती है। लेकिन, यदइस शक्तिका सही से इस्तेमाल कया जाए तो वह देश की दशा और दशा दोनों बदल सकता है। यही वजह है कबिड़े बदलाव या कुछ अच्छा कर गुजरने की चाह रखने वाले युवा इस नौकरी की ओर आकर्षति होते हैं और इस बड़ी भूमिका में खुद को शामिल करने के लिये सविलि सेवा परीक्षा में सममलिति होते हैं।
- यह एकमात्र ऐसी परीक्षा है जिसमें सफल होने के बाद वभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन के उच्च पदों पर आसीन होने और नीति-नरिमाण में प्रभावी भूमिका नभाने का मौका मलिता है।
- इसमें केवल आकर्षक वेतन, पद की सुरक्षा, कार्य क्षेत्र का वैवधिय और अन्य तमाम प्रकार की सुवधिएँ ही नही मलिती हैं बल्कि देश के प्रशासन में शीर्ष पर पहुँचने के अवसर के साथ-साथ उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा भी मलिती है।
- हमें आए दनि ऐसे आईएस, आईपीएस अधिकारियों के बारे में पढ़ने-सुनने को मलिता है, जनिहोंने अपने ज़लि या कसिी अन्य क्षेत्र में कमाल का काम कया हो। इस कमाल के पीछे उनकी व्यक्तगत मेहनत तो होती ही है, साथ ही इसमें बड़ा योगदान इस सेवा की प्रकृति का भी है जो उन्हें ढेर सारे वकिल्प और उन वकिल्पों पर सफलतापूर्वक कार्य करने का अवसर प्रदान करती है।
- नीति-नरिमाण में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाने के कारण ही सविलि सेवक नीतगत सुधारों को मूरत रूप प्रदान कर पाते हैं।
- ऐसे अनेक सविलि सेवक हैं जनिके कार्य हमारे लिये प्रेरणास्रोत के समान हैं। जैसे- एक आईएस अधिकारी एस.आर. शंकरण जीवनभर बंधुआ मज़दूरी के खलिफ लड़ते रहे तथा उन्हीं के प्रयासों से “बंधुआ शर्म व्यवस्था (उन्मूलन) अधनियम, 1976” जैसा कानून बना। इसी तरह बी.डी. शर्मा जैसे आईएस अधिकारी ने पूरी संवेदनशीलता के साथ नकसलवाद की समस्या को सुलझाने का प्रयास कया तथा आदवासी इलाकों में सफलतापूर्वक कई गतशील योजनाओं को संचालति कर खासे लोकप्रयि हुए। इसी तरह, अनलि बोर्डया जैसे आईएस अधिकारी ने शकिषा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण काम कया। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जनिमें इस सेवा के अंतर्गत ही अनेक महान कार्य करने के अवसर प्राप्त हुए, जिसके कारण यह सेवा अभ्यर्थियों को काफी आकर्षति करती है।
- स्थायतिव, सम्मान एवं कार्य करने की व्यापक, अनुकूल एवं मनोचति दशाओं इत्यादिका बेहतर मंच उपलब्ध कराने के कारण ये सेवाएँ अभ्यर्थियों एवं समाज के बीच सदैव प्रथमकिता एवं प्रतिष्ठा की वषियवस्तु रही हैं।
- कुल मलिकर, सविलि सेवा में जाने के बाद हमारे पास आगे बढ़ने और देश को आगे बढ़ाने के अनेक अवसर होते हैं। सबसे बढ़कर हम एक साथ कृषा, स्वास्थ्य, शकिषा, प्रबंधन जैसे वभिन्न क्षेत्रों के विकास में योगदान कर सकते हैं जो कसिी अन्य सार्वजनिक क्षेत्र में शायद ही सम्भव है।
- सविलि सेवकों के पास ऐसी अनेक संस्थागत शक्तियाँ होती हैं जनिका उपयोग करके वे कसिी भी क्षेत्र में आमूलचूल परविरतन ला सकते हैं। यही वजह है कअलग-अलग क्षेत्रों में सफल लोग भी इस सेवा के प्रति आकर्षति होते हैं।
- सविलि सेवा परीक्षा के अंतर्गत शामिल प्रत्येक सेवा की प्रकृति और चुनौतियाँ भिन्न-भिन्न हैं। इसलिये आगे हम प्रमुख सविलि सेवाओं के बारे में वसितार से चर्चा करेंगे, जैसे- उनमें कार्य करने का कतिना स्कोप है, प्रोन्नतिकी क्या व्यवस्था है, हम कसि पद तक पहुँच सकते हैं आदि, ताकि अपने ‘कैरियर’ के प्रति हमारी दृष्टि और भी स्पष्ट हो सके।

